KSIIPH0 20.09.16

संकलित परीक्षा - I (2016-17)

हिन्दी 'ब'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे अधिकतम् अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख,** ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क (अपठित बोध)

प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5

दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला कि देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की ज़रूरत है। जो सज्जन अपने को इस पद के योग्य समझें, वे वर्तमान दीवान सुजान सिंह की सेवा में उपस्थित हों। यह ज़रूरी नहीं कि वे ग्रेजुएट हों मगर हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है। मंदाग्नि के मरीजों को यहाँ तक कष्ट उठाने की कोई ज़रूरत नहीं। एक महीने तक उम्मीद्वारों के रहन-सहन, आचार विचार की देखभाल की जाएगी। विद्या कम परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जाएगा। जो महाशय इस परीक्षा में पूरे उतरेंगे वे इस उच्च पद पर सुशोभित होंगे। इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में तहलका मचा दिया। ऐसा ऊँचा पद और किसी प्रकार की कैद नहीं ? केवल नसीब का खेल है। सैकड़ों आदमी अपना-अपना भाग्य परखने के लिए चल पड़े। देवगढ़ में नए-नए और रंग बिरंगे मनुष्य दिखाई देने लगे।

(i) दूसरे दिन अखबार में विज्ञापन निकला देवगढ़ के लिए आवश्यकता है -

(क) सुयोग्य दीवान की (ख) सुयोग्य राजा की

(ग) सुयोग्य सहायक की (घ) सेनापति की

(ii) पद के लिए आवश्यक था कि उम्मीदवार -

(क) ग्रेजुएट हों (ख) हृष्ट-पुष्ट हों

(ग) प्रत्येक कार्य में निपुण हों (घ) धार्मिक कार्यों में पारंगत हों

(iii) मंदाग्नि के मरीजों को सलाह दी गई-

(क) अवश्य ही उपस्थित होने की। (ख) वहाँ तक न आने की।

(ग) यथासंभव उपस्थित होने की। (घ) अपना इलाज कराने की।

(iv) दीवान पद के लिए विचार किया जाना था विद्या की अपेक्षा -

(क) कर्तव्य पर। (ख) योग्यता पर।

(ग) कर्तव्य और योग्यता पर। (घ) धन की अधिक माँग पर।

(v) 'मुल्क' शब्द का पर्यायवाची नहीं है-

(क) देश (ख) वतन (ग) धरती (घ) राष्ट्र

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए- 5

वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता। उसके नेत्र दूसरों के चरित्र को देखते हैं, उसका हृदय दूसरों के दोषों को अनुभव करता है। उसकी वाणी दूसरों के अवगुणों का विश्लेषण कर सकती हैं, किन्तु उसका अपना चरित्र, उसके अपने दोष एवं उसके अवगुण, मिथ्याभिमान और आत्म-गौरव के काले आवरण में इस प्रकार प्रच्छन्न रहते हैं कि जीवन-पर्यंत उसे दृष्टिगोचर ही नहीं हो पाते। इसीलिए मनुष्य स्वयं को सर्वगुण-संपन्न देवता समझ बैठता है। आत्मविश्लेषण कोई सहज कार्य नहीं। इसके लिए उदारता, सहनशीलता एवं महानता की आवश्यकता होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि आत्मविश्लेषण मनुष्य कर ही नहीं सकता। अपने गुणों-अवगुणों की अनुभूति मनुष्य को सदैव रहती है। अपने दोषों से वह हर पल अवगत रहता है, किन्तु अपने दोषों को मानने के लिए तैयार न रहना ही उसकी दुर्बलता होती है और यही उसे आत्मविश्लेषण की क्षमता नहीं दे पाती।

(i) मनुष्य अपने अवगुण क्यों नहीं देख पाता है?

(क) दृष्टिदोष के कारण

(ख) मिथ्या अभिमान के कारण

(ग) पर निंदा में सुख मिलने के कारण

(घ) स्वयं को सर्वगुण सम्पन्न समझने के कारण

(ii) आत्म विश्लेषण के लिए किस गुण की सर्वाधिक आवश्यकता है?

(क) कृपणता (ख) उदारता

(ग) बुद्धिमत्ता (घ) विलासिता

(iii) आत्मविश्लेषण कठिन क्यों है?

(क) संकुचित दृष्टि के कारण

(ख) ऐसा करना निरर्थक है

(ग) अपने दोषों को मानना कठिन

(घ) आत्मविश्लेषण निराश करता है

(iv) मनुष्य की दुर्बलता है :

(क) अपनी प्रशंसा करना (ख) अपने को श्रेष्ठ समझना

(ग) अपने दोष न मानना (घ) दूसरों की बुराई करना

(v) 'आत्म-विश्लेषण' शब्द का सही अर्थ है :

(क) अपने गुण पहचानना (ख) अपने दोष पहचानना

(ग) अपने गुण-दोष पहचानना (घ) अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करना

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए —** 5

ज्यों निकलकर बादलों की गोद से
थी अभी एक बूँद कुछ आगे बढ़ी।
सोचने फिर-फिर यही जी में लगी
आह ! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी।
दैव ! मेरे भाग्य में है क्या बदा
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में।
जल उठूँगी गिर अँगारे पर किसी
चू पड़ूँगी या कमल के फूल में।
बह चली उस काल एक ऐसी हवा
वह समंदर ओर आई अनमनी।
एक सुंदर सीप का था मुँह खुला

वह उसी में जा गिरी मोती बनी।

(i) घर से निकलकर बूँद चिंतित थी कि —

(क) क्या यह अच्छा हुआ वह घर से निकली

(ख) घर छोड़ना अच्छी बात नहीं होती

(ग) घर छोड़ने पर उसका भविष्य क्या होगा ?

(घ) उसका भविष्य अच्छा रहेगा या बहुत बुरा

(ii) काव्यांश में 'आह' शब्द किस भाव को प्रकट करता है ?

(क) वेदना तथा आकुलता को (ख) खुशी के भाव को

(ग) सुख को (घ) आनन्द को

(iii) बूँद की समुद्र की ओर आते समय की मनस्थिति थी, —

(क) उल्लासपूर्ण (ख) अन्यमनस्कतापूर्ण

(ग) विवश (घ) वेदनायुक्त

(iv) बूँद के माध्यम से कविता में उन लोगों का वर्णन है जो —

(क) गाँव से बाहर नहीं जाते

(ख) जो घर के आस-पास धंधा करते हैं

(ग) परिश्रमी हैं

(घ) अनमने होकर घर छोड़कर बाहर जाते हैं और वहाँ धन तथा यश पाते हैं

(v) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है —

(क) सीप (ख) मोती (ग) एक बूँद (घ) भाग्य 5

4 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

खड़ा मंच ललकार रहा, महका माहौल हमारा है,
नज़र लगा मत अरे मुशर्रफ, यह कश्मीर दुलारा है।
कानन-उपवन-पर्वत-पानी, लहकी-लहकी घाटी में,
झीलों में तिरती फसलों की सवारी -सोंधी माटी में,
नौका-निर्मित आवासों के स्नेहिल मधु-मुस्कानों में
पुरुखों की संस्कृति में गमका कण-कण है परिपाटी में,
कदम बढ़ा, नापाक! भूमि पर, टांग तोड़ विदगा देंगे,
जगमग-ज्योति-किरण-कवलित नयनों का सुधर सितारा है।
यह कश्मीर दुलारा है।

(i) कविता में ललकारा गया है-

(क) हिमालय को (ख) मंच को

(ग) पाकिस्तानी मुशर्रफ को (घ) बुरी नजर से देखने वाले को

(ii) झील में क्या तिरते हैं ?

(क) लोगों की सवारी (ख) फसलों की सवारी

(ग) मछलियाँ (घ) नौका

(iii) कश्मीर कैसा है ?

(क) दुलारा (ख) सुंदर

(ग) प्यारा (घ) असुंदर

(iv) आवास किस तरह के बने थे ?

(क) ऊँचे (ख) नौका की तरह
(ग) चौकोर (घ) जहाज जैसे

(v) कदम कहाँ बढ़ाए गए ?
(क) घर पर (ख) बाहर
(ग) पहाड़ पर (घ) भूमि पर

खण्ड ख (व्यावहारिक व्याकरण) 5

5 (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए :
शिक्षाशास्त्री, संस्कृति

(ख) व्यञ्जन-में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रूप लिखिए।

(ग) मुंह-में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कर शब्द को दोबारा लिखिए।

(घ) जर्दी - में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए। 4

6 (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए :
लघु + उत्तर, धर्म + आत्मा

(ख) निम्नलिखित शब्दों का संधिविच्छेद कीज़िए :
देहांत, यथार्थ

7 (क) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्गों और मूल शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए : 6
अभिभावक, सम्मुख

(ख) निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द और प्रयुक्त प्रत्यय को अलग-अलग कीजिए :
द्रवित

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिन्ह लगाकर लिखिए :
(1) डिनर से चले थे खिचड़ी पर आ गए
(2) आरिफ ने कहा सुनो मुझे गुड़िया ही चाहिए
(3) अरे जैसी नीयत होती है अल्लाह भी वैसी ही बरकत देता है

खण्ड ग (पाठ्य-पुस्तक)

8 **पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** (2+2+1)

(क) तीसरे दिन सुबह अतिथि के किस कथन से चिंता बढ़ने लगी। 'तुम कब जाओगे अतिथि' पाठ के आधार पर लिखिए। 1

(ख) 'दुख का अधिकार' कहानी में लेखक ने ऐसा क्यों कहा कि-मुर्दे को नया कपड़ा पहनाना ज़रूरी है? 2

(ग) अतिथि के शीघ्र न जाने के संकेत लेखक को किन बातों से मिल रहे थे? 2

9 'वे उलट कर चोट भी करेंगे, तब काँच और हीरे का भेद जानना बाकी न रहेगा।' 'धूल' पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए। 5

10 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+1)** 5

लोपसांग अपनी स्विस छुरी की मदद से हमारे तंबू का रास्ता साफ़ करने में सफल हो गए थे और तुरंत ही अत्यंत तेज़ी से मुझे बचाने की कोशिश में लग गए। थोड़ी-सी भी देर का सीधा अर्थ था मृत्यु। बड़े-बड़े हिमपिंडों को मुश्किल से हटाते हुए उन्होंने मेरे चारों तरफ़ की कड़े जमे बर्फ़ की खुदाई की और मुझे उस बर्फ़ की कब्र से निकाल बाहर खींच लाने में सफल हो गए।

सुबह तक सारे सुरक्षा दल आ गए थे और 16 मई को प्रातः 8 बजे तक हम प्रायः सभी कैंप-दो पर पहुँच गए थे। जिस शेरपा की टाँग की हड्डी टूट गई थी, उसे एक खुद के बनाए स्ट्रेचर पर लिटाकर नीचे लाए। हमारे नेता कर्नल खुल्लर के शब्दों में, "यह इतनी ऊँचाई पर सुरक्षा-कार्य का एक ज़बरदस्त साहसिक कार्य था।"

सभी नौ पुरुष सदस्यों को चोटों अथवा टूटी हड्डियों आदि के कारण बेस कैंप में भेजना पड़ा। तभी कर्नल खुल्लर मेरी तरफ़ मुड़कर कहने लगे, ''क्या तुम भयभीत थीं?''

''जी हाँ।''

''क्या तुम वापिस जाना चाहोगी?''

''नहीं'', मैंने बिना किसी हिचकिचाहट के उत्तर दिया।

(क) बर्फ़ की कब्र से बचेन्द्री को किस प्रकार बाहर निकाला गया?

(ख) कर्नल खुल्लर ने सुरक्षा-दल के किस कार्य की प्रशंसा की?

(ग) बचेंद्री पाल ने वापस जाने के लिए क्यों मना किया?

11 **पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** (2+2+1)

(क) स्वयं को बाती कहकर रैदास क्या सिद्ध करना चाहते हैं? 1

(ख) 'नज़ीर अकबराबादी' को आदमी के स्वभाव की सही जानकारी थी' उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए। 2

(ग) रैदास ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है? 2

12 रहीम के अनुसार कौन-सा जल स्रोत या साधन उपयोगी होता है? 5

13 आत्मविश्वास और हठ में आप किसे उचित मानते हैं और क्यों? 'स्मृति' पाठ के आधार पर तर्कसम्मत उत्तर लिखिए। 5

खण्ड घ (लेखन)

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर **किसी एक** विषय पर लगभग **80 से 100** शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

14 **देश में बढ़ता भ्रष्टाचार**

(क) भ्रष्टाचार और व्यवस्था

(ख) भ्रष्टाचार के कारण

(ग) समाधान व नागरिकों के दायित्व

अथवा

विभिन्न राजनैतिक पार्टियों का देश के विकास में योगदान : 5

- देश और राजनीति
- पार्टियों का दायित्व
- देश के विकास में तत्परता

अथवा

साहसी व्यक्ति 5

(क) विषय का सामान्य अर्थ

(ख) जीवन में साहस की आवश्यकता

(ग) साहसी व्यक्ति के गुण और जीवन

15 इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपने बड़े भाई को बधाई पत्र लिखिए। 5

16 दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए। 5

17. गरमी के मौसम में पानी के संकट पर दो पड़ोसियों के बीच होने वाले संवाद को अपने शब्दों में लगभग 50 शब्दों में लिखिए। 5

18. नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए इच्छुक व्यक्तियों हेतु 20-25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

-o0o0o0o-